माननीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी का भाषण *

महामहिम राष्ट्रपति महोदया, माननीय संचार मंत्री श्री कामत, माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री मीणा, रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ.सुब्बाराव और मित्रो। मैं इस अवसर पर आप सब के बीच खुद को पाकर अत्यधिक प्रसन्न हूं।

2. मैं आपकी संस्था के प्लेटिनम जुबली समारोह के खुशी के अवसर पर आप सभी को बधाई देता हूं। आप में से कई लोग जानते ही होंगे कि भारिबैं से मेरा काफी गहरा रिश्ता रहा है। देश के केंद्रीय बैंक में मेरी रुचि तब से ही है जब मैं विद्यार्थी था और बाद में जब मैं अर्थशास्त्र का शिक्षक था। समय अंतराल में रिज़र्व बैंक के साथ मेरा नाता बढ़ता ही गया और 1980 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री बनने पर यह बहुत अधिक बढ़ गया।

3. किसी संस्था ही नहीं बल्कि किसी व्यक्ति के जीवन के 75 वर्ष एक बेहद महत्वपूर्ण घटना होती है। जब मैं यह बात कर रहा हूं तब इसमें एक व्यक्तिगत बात भी है। आप में से अधिकांश लोग ये बात नहीं जानते होंगे कि मेरा जन्म भी रिज़र्व बैंक की स्थापना के वर्ष में ही हुआ है। रिज़र्व बैंक ने अपने स्थापना वर्ष से ही हमारे देश की अर्थव्यवस्था के संस्थागत ढांचे में केंद्रीय स्थान प्राप्त किया है।

4. जब भारत को आजादी मिली और देश में पंचवर्षीय योजना शुरू की गई तब रिजर्व बैंक ने योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली को ढालकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाई। भारत में 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के साथ, भारतीय रिजर्व बैंक ने संस्थागत व्यवस्था में सफलतापूर्वक महत्वपूर्ण परिवर्तन किए और बैंकिंग प्रणाली पर कठोर नियंत्रण और पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया। इसके अलावा, 1991 से भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया की शुरूआत से भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और दायित्वों में नए आयाम जुड़ गए।

* श्री प्रणव मुखर्जी, माननीय वित्त, भारत सरकार द्वारा 16 जनवरी 2010 को भारतीय रिजर्व बैंक स्मारक डाक टिकट जारी करने के कार्यक्रम में नई दिल्ली में दिया गया भाषण (जारी करने के लिए तैयार किए अनुसार)।

5. हाल के वैश्विक वित्तीय संकट के समय रिजर्व बैंक की भूमिका पर एक बार फिर ध्यान केंद्रित हुआ। लगभग हर देश संकट से प्रभावित हुआ था और भारत भी इसका अपवाद नहीं था। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की तरह, भारतीय रिजर्व बैंक भी इस लड़ाई में अग्रणी रहा है। रिजर्व बैंक ने चलनिधि प्रबंधन परिचालनों के साथ विनिमय दर प्रबंधन और गैर-विघटनकारी आंतरिक ऋण प्रबंधन परिचालनों का तालमेल व्यवस्थित तरीके से करके प्रणाली में समुचित चलनिधि सुनिश्चित की जो मूल्य और वित्तीय स्थिरता के उद्देश्य के अनुरूप थी। इस प्रकार, उस समय उभरी स्थिति पर शीघ्रता से, प्रभावी तरीके से और जिम्मेदारी से कार्रवाई करके रिजर्व बैंक ने हमारी अर्थव्यवस्था पर संकट के प्रभाव को कम करने में हमारी बहुत मदद की।इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर हम सभी देशवासियों को गर्व होना चाहिए.।

6. इस संस्था की यह उल्लेखनीय यात्रा काफी सीमा तक इसके स्टाफ द्वारा दी शुरू से ही गई ईमानदार और समर्पित सेवा से संभव हुई है। इन वर्षों में भारतीय रिजर्व बैंक का यह विशेष सौभाग्य रहा है कि उसके शीर्ष स्थान पर अति प्रतिष्ठित व्यक्ति रहे हैं। इन सज्जनों ने बैंक की संस्कृति को आकार देने, इसका गठन करने और इसका संचालन करने तथा भारत में वित्तीय नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने इनमें से अनेक के साथ साथ किसी स्तर पर काम किया है और उनमें से बहुत से लोगों को यहाँ देख कर खुशी हुई हो रही है।

7. मैं इस अवसर एक बार फिर आप सभी को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि आप और अधिक उत्साह के साथ काम जारी रखेंगे और रिजर्व बैंक का नाम बनाए रखेंगे और उसे और अधिक रोशन करेंगे।